



न्यायालय भू-प्रबन्ध अधिकारी एवं पदेन राजस्व अपील प्राधिकारी, सीकर ।

अपील संख्या-48/2017

मण्डदान पुत्र बाधोदान जाति चारणा निवासी चैलासी तहसील धोद जिला सीकर ।

---अपीलान्ट---

---बनाम---

- 1- घंडसीराम पुत्र चन्द्रा जाति हरिजन निवासी चैलासी तहसील धोद जिला सीकर।
- 2- बलबीर पुत्र
- 3- रामनिवास पुत्र
- 4- लिणाकारी पत्नी
- 5- ज्याना पुत्री
- 6- दयालाराम दत्तक पुत्र तुलछाराम जाति हरिजन निवासी चैलासी तहसील धोद जिला सीकर।
- 7- राजस्थान ग्रामीण बैंक शाखा नवलगढ रोड सीकर जरिये मैनेजर ।
- 8- पंजाब नेशनल बैंक शाखा कोतवाली रोड सीकर जरिये मैनेजर।
- 9- बी0आर0के0जह0बी0शाखा नवलगढ रोड सीकर जरिये मैनेजर ।
- 10-पटवारी हल्का श्यामपुरा तहसील धोद जिला सीकर ।
- 11- उप पंजीयक धोद ।
- 12- तहसीलदार धोद ।

---रेस्पोंडेन्ट---

अपील विरुद्ध निर्णय एवं डिक्ली

दिनांक 17-5-2017 द्वारा

सहायक कलेक्टर द्वितीय सीकर।

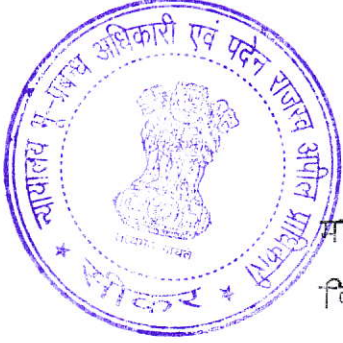
---0---

उपस्थिति-

- 1-श्री सोहनलाल एडवोकेट- अपीलान्ट
- 2-श्री बनवारीलाल बरवड़ एडवोकेट- रेस्पोंडेन्ट
- 3- श्री दिनेशकुमार मण्डवाल एडवोकेट- रेस्पोंडेन्ट

भू-प्रबन्ध अधिकारी

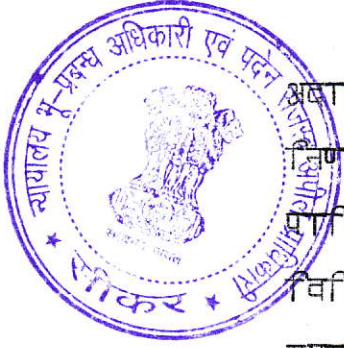
निर्णय दिनांक-



संक्षेप में प्रकरण के तथ्य इस प्रकार हैं कि वादी/रेस्पोंडेंट ने अदालत मातहत में दावा बाबत बंटवारा व स्थाई निषेधाज्ञा का पेशा कर निवेदन किया कि आराजी ख०नं० 334/575 रकबा 1.16 हैक्टर, ख०नं० 335 रकबा 0.02 हैक्टर ख०नं० 336 रकबा 3.32 हैक्टर, ख०नं०-337 रकबा 0.80 हैक्टर, ख०नं० 338 रकबा 1.46 हैक्टर कुल किता-5 रकबा 6.76 हैक्टर वाके ग्राम चैलासी वादी एवं प्रतिवादी सं०-1, 2, 3 व 5 के पिता एवं प्रतिवादी सं०-4 के पति मोतीराम व प्रतिवादी सं०-6 के दत्तक पिता तुलछाराम की खातेदारी की है। मौके पर बंटी हुई है। वादी ख०नं० 337 रकबा 0.80 हैक्टर सम्पूर्ण पर ऐकाकी काबिज काश्तकार है। तथा सं० ख०नं० 334/575, 335, 336, 338 पर प्रतिवादी सं०-1 काबिज चला आ रहा है। प्रतिवादी सं०-2 से 6 का मौके पर कोई कब्जा नहीं है। संयुक्त खातेदारी होने से प्रतिवादी सं०-2 से 6 वादी के कब्जा काश्त की भूमि ख०नं० 337 पर बलात कब्जा करने पर आमादा है तथा आराजी को विक्रय करने पर आमादा है। अतः दावा स्वीकार कर खाता अलग अलग किया जावे। अदालत मातहत ने बाद सुनवाई वादी का दावा प्राथमिक रूप से डिक्री कर दिया जिससे क्षुब्ध होकर अपीलान्ट ने यह अपील निम्न आधारों पर प्रस्तुत की है।

योग्य अदालत मातहत का निर्णय खिलाफ कानून एवं पत्रावली है। योग्य अदालत मातहत में काउण्टर वाद का न तो जबाब लिया और न ही जबाब बन्द किया गया तथा न ही प्रतिवादी संख्या-6 से जबाब दावा लिया और न ही उसका जबाब दावा बन्द किया गया। अदालत मातहत ने बिना तनकीयात कायम किये ही अपीलान्ट को बिना सुनवाई का अवसर दिये दावा में प्राथमिक डिक्री जारी कर दी जो विधिक प्रक्रिया की बिना पालना किये जारी की गई है। अपीलान्ट द्वारा प्रस्तुत काउण्टर वाद का कोई निर्णय नहीं किया गया है।

मू-प्रबन्ध अधिकारी एवं  
पदेन राजस्व अपील अधिकारी  
सांकर



अदालत मातहत ने न्याय शास्त्र के सिद्धान्तों की कोई पालना ना कर अपना निर्णय पारित किया है। अदालत मातहत ने दावे को बिना पढे ही निर्णय पारित किया है। वाद पत्र में रेस्पोंडेन्ट संख्या-1 द्वारा विवादित भूमियों में से विभाजित भू-भाग बाहमी बंटवारे के अनुसार स्वयं को दिये जाने का क्लेम किया गया है जो बाद साक्ष्य निर्धारित किया जाना चाहिये था किन्तु अदालत मातहत ने इन तथ्यों पर कोई गौर न कर काउण्टर दावे पर कोई निर्णय नहीं करते हुये दावे में विधि विरुद्ध प्राथमिक डिक्री जारी कर दी। अतः अपीलान्ट की अपील स्वीकार कर अदालत मातहत का निर्णय एवं डिक्री निरस्त की जावे तथा प्रकरण अदालत मातहत को रिमाण्ड किया जावे।

अपील दर्ज रजिस्टर की गई। रेस्पोंडेन्ट को जरिये नोटिस तलब किया गया। अदालत मातहत की पत्रावली मंगवाई जाकर शामिल पत्रावली की गई। बहस विद्वान अभिभाषकगण सुनी गई।

बहस बगौर समाप्त की गई। पत्रावली का अवलोकन किया गया। नकल जमाबन्दी सं०-2070 से 2073 में विवादित आराजी ख०नं० 334/575, 335, 336, 337, 338 कुल किता-5 रकबा 6.76 हैक्टर की खातेदारी अपीलान्ट एवं रेस्पोंड सं०-1 से 6 एवं इनके पूर्वजों के नाम दर्ज रेकार्ड है। दावा विवादित आराजी के बंटवारे को लेकर है। खातेदारी को लेकर कोई विवाद नहीं है। अदालत मातहत जबाब दावा एवं काउण्टर वाद आने के बाद ही दावे में केवल प्राथमिक डिक्री जारी की है जिसमें-1- यदि पक्षकारान ने बाहमी बंटवारा कर अपने अपने हिस्से पर काब्ज कारतकार चले आ रहे हैं तो उसी के अनुसार प्रस्ताव भिजवाये।

2- पक्षकारान की आपसी सहमति से बंटवारा का प्रस्ताव तैयार कर भिजवायें।

3- यदि उपरोक्त बिन्दू सं०-1 व 2 द्वारा पक्षकारान के बीच बंटवारा किया जाना सम्भव नहीं हो तो उपरोक्त वर्णित आराजी का पक्षकारान के बीच अच्छी में से अच्छी व बुरी में से बुरी भूमि का बंटवारा कर बंटवारा प्रस्ताव तैयार कर भिजवाने के निर्देश दिये है तथा पक्षकारो को नोटिस देकर विभाजन प्रस्ताव

भू-प्रबन्ध अधिकारी एवं  
पदेन राजस्व अपील



विभाजने के निर्देश दिए हैं। अदालत मातहत ने दावा खाता विभाजन का होने पर उपरोक्त बिन्दुओं पर विभाजन प्रस्ताव के निर्देश दिए हैं। विभाजन प्रस्ताव आने पर अपीलान्त विभाजन प्रस्ताव पर शेरराज कर सकते हैं। अदालत मातहत का निर्णय विधिनुसार उचित है। जिसमें हम किसी प्रकार का हस्तक्षेप किया जाना उचित नहीं मानते हैं।

अतः अपील अपीलान्त खारिज की जाती है तथा विद्वान सहायक कलेक्टर द्वितीय सीकर का निर्णय एवं डिक्री दिनांक 17-5-2017 यथावत रखा जाता है निर्णय सरे इजलास आज दिनांक 5.3.2018 को सुनाया गया।



भू-प्रमुख अधिकारी  
पदेन राजस्व अपील प्राधिकारी  
सीकर